सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

RNI No: UPHIN/2023/86769

www.swarajindianews.com

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

मूल्य: ₹ 02

स्वराज इंडिया

सांध्यकालीन समाचार पत्र

कानपुर, शुक्रवार, 13 जून, 2025
वर्ष: 02, अंक: 164, पृष्ठ: 8+4

विमान हादसे में गुजरात के पूर्व सीएम विजय रूपाणी की मौत

» Pg 12

इनसाइड एक्सिस कॉलेज में खफाई गई बसपा नेता की ब्लैकमनी... » Pg 03

एआई प्लेन क्रैश : हादसा या साजिश!

इस हादसे से 265 लोगों की मौत, कौन करेगा जांच? लंदन जा रहा था विमान

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

नई दिल्ली। अहमदाबाद में एयर इंडिया का विमान कैसे क्रैश हुआ? क्या विमान में कोई तकनीकी खराबी आई थी या फिर कोई और वजह थी, इसकी जांच शुरू हो गई है। इस जांच के बाद सामने आएगा कि 265 लोगों की मौत का जिम्मेदार कौन है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय के एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इंवेस्टिगेशन ब्यूरो ने अहमदाबाद में एयर इंडिया विमान दुर्घटना की घटना की ऑफिशियल इंवेस्टिगेशन शुरू कर दी है।

कौन कर रहा विमान हादसे की जांच? : नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू के मुताबिक, यह जांच संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी 'इंटरनेशनल सिविल एविएशन ऑगज़नाइजेशन' द्वारा निर्धारित अंतरराष्ट्रीय प्रोटोकॉल के अनुसार की जा रही है।

एयर क्रैश की जांच के लिए तैयार International Civil Aviation Organization के मैनुअल में ये स्पष्ट रूप से कहा गया है कि हवाई हादसे की जांच जिस एजेंसी को दी गयी है वो जांच के संचालन में पूरी तरह से स्वतंत्रता होगी।

इस जांच एजेंसी के पास बिना किसी की रोक टोक के इंवेस्टिगेशन करने की ऑथोरिटी है। इंटरनेशनल सिविल एविएशन ऑर्गनाइजेशन के मैनुअल के मुताबिक, विमान हादसे की जांच में ये बातें महत्वपूर्ण होंगी। दुर्घटना स्थल का दौरा कर विमान के मलबे की जांच और गवाहों के बयान लिए जाएंगे। दुर्घटना या घटना से जुड़ी सारी उपलब्ध प्रासंगिक जानकारी और तथ्यों को इकट्ठा करना, रिकॉर्ड करना और उसका विश्लेषण करना। दुर्घटना व घटना की जांच से जुड़े रिकार्ड्स को सुरक्षित रखना होगा।

एअर इंडिया विमान हादसे की जगह पर पहुंचे प्रधानमंत्री

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अहमदाबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज सुबह अहमदाबाद पहुंचे। उन्होंने मेघाणीनगर में क्रैश फ्लाइट के पीड़ितों से मुलाकात की। प्रधानमंत्री ने सिविल अस्पताल में भर्ती कराए गए एकमात्र जीवित यात्री से भी मुलाकात की। पीएम मोदी के साथ केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री और स्थानीय अधिकारी भी मौजूद रहे, जिन्होंने हादसे के बारे में सूचना दी।

एअर इंडिया विमान हादसे की जगह पर पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंत्रियों और अधिकारियों से गुरुवार को हुए दर्दनाक हादसे की जानकारी ली। पीएम मोदी के साथ नागरिक उड्डयन मंत्री रामनोहन नायडू, गुजरात के गुजरात के सीएम भूपेंद्र पटेल, गृह मंत्री हर्ष संघवी और केंद्रीय राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल भी मौजूद रहे। प्रधानमंत्री उस जगह भी गए जिस हॉस्टल पर विमान गिरा था। बता दें कि इस भीषण हादसे में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रुपाणी समेत कुल 266 लोगों की मौत हुई है। इनमें 241 लोग विमान में सफर कर रहे थे। अहमदाबाद में क्रैश विमान के मलबे के पास पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी ने बेहद बारीकी और विस्तार से दुर्घटना के बाद के हालात और रेस्क्यू ऑपरेशंस की जानकारी ली।

आग के गोले से कैसे कूदे विश्वास रमेश...

प्लेन क्रैश की से मची इस तबाही और शोलों में एक मात्र बचा जिंदा इंसान बाहर निकला

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद में एयर इंडिया की फ्लाइट एआई-171 दुर्घटनाग्रस्त हो गई, लेकिन एक चमत्कार हो गया। 242 लोगों में से एक 40 वर्षीय विश्वास कुमार रमेश नाम का व्यक्ति जिंदा निकल कर बाहर आ गया।

एयर इंडिया की फ्लाइट जो अहमदाबाद से लंदन के लिए उड़ान भर रही थी, टेकऑफ के कुछ ही सेकंड बाद मेघानीनगर के रिहायशी इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गई. बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर में 230 यात्री और 12 क्रू मेंबर सवार थे। आग का गोला बन चुके विमान के मलबे में किसी के जिंदा बचने की उम्मीद नहीं थी, लेकिन 40 वर्षीय रमेश विश्वास कुमार ने मौत को मात देकर एक चमत्कार रच दिया। तबाही और मातम के बीच एक मात्र जिंदा इंसान बचकर बाहर निकल आया।

- » विमान में कुल 242 यात्री और क्रू सवार थे,1 को छोड़कर सभी की मौत
- » क्रैश हुए विमान की चपेट में आने से आसपास के इलाके में 24 और लोग मारे गए
- » मृतकों में 3 डॉक्टर भी शामिल, हादसे के समय हॉस्टल के मेस में खा रहे थे खाना
- » बीजे मेडिकल कॉलेज और आसपास के एरिया में भारी नुकसान बताया जा रहा है
- » एमबीबीएस के 3 छात्रों की पहले ही इस हादसे के कारण मारे जाने की पुष्टि हो चुकी
- » हॉस्टल के कई अन्य छात्र-छात्राएं भी चपेट में आए, घायलों का इलाज चल रहा

रमेश एक ब्रिटिश नागरिक हैं और पिछले 20 साल से लंदन में रह रहे हैं। वह अपने भाई अजय कुमार रमेश के साथ भारत में परिवार से मिलने आए थे। हादसे के बाद रमेश ने मीडिया को बताया, टेकऑफके 30 सेकंड बाद एक जोरदार धमाका हुआ। विमान हवा में लड़खड़ाया और फिर धड़ाम से जमीन पर गिर गया। जब मेरी आंख खुली, तो चारों तरफ लाशें और मलबा था। मैं डर गया, लेकिन किसी तरह सीट से निकला और जलते मलबे से बाहर भागा। उनके चेहरे और पैरों पर गंभीर चोटें थीं, फिर भी वह लंगड़ाते हुए घटनास्थल से बाहर निकले।

ट्रैफिक जाम ने बचाई महिला की जान

अहमदाबाद। यात्रियों में एक महिला सौभाग्यशाली रही कि अहमदाबाद के व्यस्त ट्रैफिक ने उन्हें बचा लिया, ट्रेफिक में फंसने के कारण वह 10 मिनट की देरी सें एयरपोर्ट पहुंची थीं, इसके बाद उन्हें अहमदाबाद लंदन की फ्लाइट में बोर्डिंग की इजाजत नहीं मिली, उसने एयरपोर्ट स्टॉप से बहुत मिन्नते की लेकिन उसको बोर्डिंग पास नहीं मिला। चौहान ने बताया इस हादसे की सूचना के मिलने के बाद वह बुरी तरह से कांप गई, पैर हिलने लगे। काफी देर तक वह सदमें रहीं।

बिकरू कांड फिर आया चर्चाओं में.....

बिकरू कांड में घायल हुए पुलिस कर्मियों से वसूली की नोटिस से हड़कंप

- इलाज में ख़र्च हुए रुपयों की विभाग कर रहा वसूली
- पांच साल पहले बिकरू गांव में दबिश के दौरान विकास व उसके गुर्गों ने की थी ताबड़तोड़ फायरिंग
- सीओ समेत आठ पुलिस कर्मी हुए थे शहीद
- विभाग द्वारा नोटिस जारी होने के बाद मचा हड़कंप

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर। देश-विदेश में चर्चित हुआ कानपुर का बिकरू कांड एक बार फिर चर्चाओं में आ गया है। दबिश के दौरान अपराधी एवं उसके गुर्गों की गोलियों से घायल हुए पुलिस कर्मियों के इलाज के लिए शासन द्वारा मिले रुपयों की अब पुलिस विभाग ने उन घायल पुलिसवालों से वसूली की नोटिस जारी कर दी है। जिससे हड़कम मच गया। मालूम हो कि 2 जुलाई की रात चौबेपुर के बिकरू गांव में अपराधी विकास दुबे को पकड़ने गई पुलिस टीम पर विकास व उसके गुर्गों ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी थी। पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई में गोली चलाई। इस कांड में तत्कालीन बिल्हौर सीओ देवेंद्र मिश्रा समेत आठ पुलिस कर्मी शहीद हो गए थे। साथ ही तत्कालीन बिठूर एसओ कौशलेन्द्र प्रताप सिंह समेत कई पुलिस कर्मी गंभीर रुप से घायल हुए थे।

घायल पुलिस वालों का हाल जानने सूबे के मुखिया योगी आदित्यनाथ हॉस्पिटल पहुँचे थे। इन्हीं घायल पुलिस कर्मियों को इलाज के तौर पर शासन की ओर से साढ़े छह लाख रूपये दिए गए थे। मगर अब पांच साल बाद उन घायल हुए पुलिस वालों को वसूली का नोटिस थमाया गया है। नोटिस में कहा गया है कि थाना शिवराजपुर क्षेत्र अंतर्गत हुई मुठभेड़ के दौरान घायल होने के फलस्वरुप जीवन रक्षक निधि के अंतर्गत प्राप्त किए जाने हेतु किए गए आवेदन के क्रम में उत्तर प्रदेश पुलिस मुख्यालय लखनऊ के पत्र संख्या- कल्याण - जी0र0नि0- 39-2020 दिनांक 06-07-2020 द्वारा जीवन रक्षक निधि के अंतर्गत पांच लाख रूपये एवं जनपद की जीवन रक्षक निधि फंड से डेढ़ लाख रूपये मिलाकर कुल साढ़े छह लाख रूपये की धनराशि दी गई। आपके द्वारा जीवन रक्षक निधि अग्रिम का समायोजन अब तक न कराए जाने के कारण उत्तर प्रदेश पुलिस मुख्यालय लखनऊ से अनुस्मारक पत्र प्राप्त हो रहे हैं।

तथा पुलिस महानिरीक्षक, भ/क उत्तर प्रदेश मुख्यालय लखनऊ के पत्र कल्याण-जीरिन-लंबित(वसूली)-2020 दिनांक 22-4-2025 द्वारा अग्रिम की वसूली न होने पर कड़ी आपत्ति प्रकट की गई है। बताया कि जनपदीय जीवन रक्षक निधि फंड डेढ़ लाख रुपए से एक लाख नौ हजार की वसूली की जा चुकी है।

साथ ही 15 दिन के अंदर धनराशि न देने पर 20 प्रतिशत वेतन से कटौती कर वसूल किया जाएगा। विभाग द्वारा जारी हुए लेटर से घायल पुलिस वालों में हड़कंप मच गया है। एसओ कौशलेन्द्र प्रताप सिंह ने बताया कि वसूली की जानकारी होते ही वह कानपुर

ज्वाइन पुलिस कमिश्नर से मिले और अपनी बात रखी।बताया अधिकारीयों ने इस पर विचार करने की बात कही। बता दें कि विकास दुबे और उसके मददगार पुलिस एनकाउंटर में मारे गए और कुछ मददगार सलाखों के पीछे हैं।

सीओ समेत शहीद पुलिस कर्मी

विमान हादसे की सूचना पर डिप्टी सीएम ने स्थगित किया प्रबुद्ध सम्मेलन

मृतकों को दी गई श्रद्धांजलि

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। नेहरूनगर स्थित अंध विद्यालय में गुरुवार को प्रबुद्ध सम्मेलन के दौरान अहमदाबाद में विमान हादसा होने की सूचना मिलते ही उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक कार्यक्रम स्थगित कर लौट गए। इससे पहले हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के प्रति शोक संवेदनाएं व्यक्त की गईं। केंद्र की भाजपा सरकार के 11 वर्ष पूरे होने पर अंध विद्यालय में प्रदर्शनी और प्रबुद्ध सम्मेलन आयोजित किया गया।

मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।इसमें भाजपा सरकार की प्रमुख योजनाओं और उपलब्धियों को दर्शाया गया। इसके बाद उप मुख्यमंत्री ने प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन की शुरुआत की। सांसद रमेश अवस्थी और देवेंद्र सिंह भोले के संबोधन के दौरान अहमदाबाद में विमान हादसा होने की जानकारी मिली।

इसमें काफी लोगों के निधन की जानकारी पर उप मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम को स्थगित कर दिया।इसके बाद मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित कर दो मिनट का मौन रखा गया। मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष अनिल दीक्षित, महापौर प्रमिला पांडेय, प्रदेश महामंत्री अनूप गुप्ता, विधायक सुरेंद्र मैथानी, नीलिमा कटियार, पूर्व जिलाध्यक्ष दीपू पांडेय, दिनेश राय, वेणु रंजन भदौरिया, सुरेश अवस्थी, पार्षद पवन गुप्ता, अनूप अवस्थी आदि मौजूद रहे।

एक्सिस कॉलेज में खपाई गई बसपा नेता की ब्लैकमनी!

» रूमा स्थित एक्सिस कॉलेज ऑफ इंस्टीटयूट के निर्माण में सरकारी जमीन में कब्जा के साथ ब्लैकमनी निवेश की आशंका

» 20 बीघा चारागाह की जमीन चिन्हित होने पर तहसीलदार ने जारी की है नोटिस

» नरवल की तहसीलदार की नोटिस से मचा हड़कंप

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। तहसील नर्वल के महाराजपुर थाना अंतर्गत चारागाह की वेशकीमती जमीन पर खडे एक्सिस कॉलेज ऑफ इंस्टीटयूट रूमा की मुश्किलें बढ सकती हैं। तहसीलदार ने करीब 20 बीघा जमीन भूमि चारागाह(सुरक्षित) की बताकर तत्काल खाली करने के निर्देश दिए हैं। वहीं, इनपुट यह भी है कि इस कॉलेज के निर्माण में बसपा सरकार में प्रभावशाली नेता रहे एनआरएचएम घोटाले के आरोपी की बडी मात्रा में ब्लैकमनी खपाई गई थी। इसकी अगर आर्थिक अपराध एंजेसियों से जांच करवाई गई बडा खेल उजागर हो सकता है। हालांकि, स्वराज इंडिया ने इन तथ्यों की पुष्टि नहीं करता है।

स्वराज इंडिया www.swarajindianews.com कानपुर सिटी कानपुर, शुक्रवार 13 जून, 2025 03

स्वराज इंडिया एक्सक्लूसिव

» नरवल की तहसीलदार ने कॉलेज प्रबंधन को नोटिस जारी कर करीब 20 बीघा जमीन खाली करने को कहा

» 15 वर्ष पूर्व सरकारी जमीन में हेराफेरी करके कॉलेज का निर्माण का दावा

» प्रबंधन ने धन, बल रसूक से सरकारी जमीन पर खडी कर दी इमारत

बड़ा खुलासा: चारागाह की जमीन पर बना रूमा का एक्सिस कॉलेज!

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया
कानपुर। मननगर कानपुर में सरकारी जमीनों का जमकर बंटरबांट हुआ है। भूमाफियाओं ने अरबन सीलिंग, चारागाह और तालाब सहित अन्य सुरक्षित जमीनों के अभिलेखों के हेरीफेरी कर बेच डाला है कहीं कहीं कब्जा करके बडे बडे प्रतिष्ठान खडे कर दिए गए हैं। योगी सरकार जमीन पर कब्जा करने वाले भूमाफियाओं पर सख्त एक्शन ले रही है। एक ताजा प्रकरण नरवल तहसील से सामने आया है, इसने चारागाह की वेशकीमती जमीन पर इंजीनियरिंग कॉलेज खड़ा कर दिया गया है। मामले ने नोटिस जारी की गई है। कार्रवाई कब और कैसे होगी यह समय की गर्त में है।

तहसील कार्यालय नरवल की एक रिपोर्ट के अनुसार कानपुर-प्रयागराज हाइवे पर रूमा के निकट सलमेपुर गांव मोड के पास एक्सिस कॉलेज ऑफ इंस्टीटयूट निर्मित है। उक्त भूमि हाथीपुर ग्राम पंचायत के आराजी संख्या 30, 33, 34, 35 में चारागाह में दर्ज है।

कॉलेज प्रबंधन द्वारा करीब 20 बीघा जमीन पर कब्जाकर 15 वर्ष पूर्व निर्माण कर दिया गया था। प्रबंधन के रसूक और उंची पहुंच के कारण स्थानीय स्तर पर कोई शिकायत या विरोध नहीं करता है। इसका फायदा कॉलेज प्रबंधन ने जमकर उठाया।

बताया जा रहा है यूपी में सरकार बदलने पर कुछ शिकायतें ऑन लाइन तरीके से की गई लेकिन उनपर एक्शन नहीं लिया गया लेकिन तहसील नर्वल की कोर्ट में एक प्रत्यावेदन दिया गया। उसपर सुनवाई के तहत विधिक कार्रवाई तेज की गई है। वही इस संबंध में कॉलेज के प्रबंधन से संपर्क करने का प्रयास किया गया लेकिन किसी से बात नहीं हो सकी।

तहसीलदार ने जारी की नोटिस
नरवल तहसील की तहसीलदार विनीत पांडेय ने बताया कि सरकारी जमीन कब्जा करने को लेकर न्यायालय द्वारा धारा 77 के तहत आदेश पारित कर दिया गया है। एक्सिस कॉलेज के सचिव राज कुशवाहा को नोटिस जारी कब्जा हटाने के लिए कहा गया है और जुर्माना भी लगाया गया है। समय सीमा बीतने पर अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू की जाएगी।
विनीता पांडेय तहसीलदार

FOLLOW UP

कानपुर जिले के पूर्व में स्थित तहसील नरवल की एक रिपोर्ट के अनुसार कानपुर–प्रयागराज हाइवे पर रूमा के निकट सलमेपुर गांव मोड के पास एक्सिस कॉलेज ऑफ इंस्टीटयूट निर्मित है। उक्त भूमि हाथीपुर ग्राम पंचायत के आराजी संख्या 30, 33, 34, 35 में चारागाह में दर्ज है। कॉलेज प्रबंधन द्वारा करीब 20 बीघा जमीन पर कब्जाकर 15 वर्ष पूर्व निर्माण कर दिया गया था। बताया जा रहा है कि तत्समय प्रबंधन के रसूक और उंची पहुंच के कारण स्थानीय स्तर पर कोई शिकायत या विरोध नहीं हुआ था। इसका फायदा कॉलेज प्रबंधन ने जमकर उठाया। बताया जा रहा है बीते कुछ माह पहले तहसील नर्वल की कोर्ट में एक व्यक्ति के द्वारा तथ्यों के साथ प्रत्यावेदन दिया गया। उसपर सुनवाई की गई तो जमीन सरकारी होने की पुष्टि हुई । इसके तहत विधिक कार्रवाई तेज की गई है। नरवल तहसील की तहसीलदार विनीत पांडेय ने मीडिया को बताया कि सरकारी जमीन कब्जा करने को लेकर न्यायालय द्वारा धारा 77 के तहत आदेश पारित कर दिया गया है। सरकारी जमीन से कब्जा हटाने के लिए कहा गया है और जुर्माना भी लगाया गया है। समय सीमा बीतने पर अगर कब्जा खाली नहीं हुआ तो अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू की जाएगी।

कौन हैं राज कुशवाहा

एक्सिस कॉलेज ऑफ इंस्टीटयूट रूमा के सचिव राज कुशवाहा हैं। वहीं कॉलेज का मैनेजमेंट देखते हैं। राज कुशवाहा बसपा सरकार के कददावर पूर्व कैबिनेट मंत्री के करीबी रिश्तेदार हैं। मंत्री, पूर्व मुख्यमंत्री मायावती के नवरत्नों में शामिल थे, उस समय स्वास्थ्य विभाग का सबसे चर्चित घोटाला एनआरएचएम हुआ था, सीबीआई जांच हुई थी, इस दौरान केस में कई सीएमओ और स्वास्थ्य कर्मियों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। इसमें मंत्री का सीधा इनवॉल्व बताया गया था लेकिन मामला दब गया। इस संबंध में राज कुशवाहा से पक्ष जानने के लिए संपर्क करने का प्रयास किया गया लेकिन बात नहीं हो सकी।

रेत खाते में दर्ज जमीन पर लिया 46 लाख का मुआवजा

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। कानपुर में गंगा किनारे कटरी शंकरपुर सराय की 38 हेक्टेयर जमीन को सरकारी अभिलेखों में हेरफेर कर हड़प लिया गया। वर्ष 2003 में जब गंगा बैराज की सड़क बनाने के लिए 12 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण हुआ तो सरकारी जमीन पर ही करीब 46 लाख का मुआवजा भी ले लिया। सहायक अभिलेख अधिकारी उन्नाव ने मामले की जांच की, तो पता चला कि कागजों में हेरफेर कर रेत खाते में दर्ज जमीन पर नाम चढ़वाकर यह कारनामा किया गया।

सहायक अभिलेख अधिकारी कानपुर/उन्नाव प्रशांत कुमार नायक ने बताया कि कटरी शंकरपुर सराय की 38 हेक्टेयर जमीन की पैमाइश कराने का वाद वर्ष 2024 में एसडीएम कोर्ट में दाखिल हुआ था। जांच की गई तो पता चला कि यह जमीन मिन जुमला नंबर (जिसमें कई खातेदार होते) है। इसी वजह से जमीन का पहले बंटवारा करने के लिए एसडीएम ने अपनी कोर्ट से वाद खारिज कर दिया था। वादी ने हाईकोर्ट जाकर रिट दायर की।

फिर मामले के निस्तारण करने के निर्देश दिए गए। इसके बाद मामले की जांच उन्हें सौंपी गई। जांच में पता चला कि 2003 में गंगा बैराज का संपर्क मार्ग बनने के चलते 12 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण किया गया।

बदले में सुषमा देवी और अभिनव को करीब 46 लाख रुपये जमीन का मुआवजा दिया गया। अब जब जांच हुई, तो पता खाता संख्या 1356 और 1359 में वादी का नाम ही नहीं था। जमीन सरकारी भूमि के रूप में रेत के नाम पर दर्ज थी।

जांच करने के लिए एसआईटी को भी लिखा

सरकारी दस्तावेजों में फर्जी तरीके से बिना किसी वरासत और रजिस्ट्री के आशीष नारायण का नाम जमीन पर दर्ज किया गया।

आशीष की मृत्यु होने के बाद जमीन उनकी पत्नी सुषमा देवी और बेटे अभिनव कुमार के नाम पर दर्ज हो गई।

मामले की जांच पूरी होने के बाद सहायक अभिलेख अधिकारी ने सभी के नाम हटाकर जमीन रेत खाते में दर्ज की गई। मामले की सही तरह से जांच करने के लिए एसआईटी को भी लिखा गया है।

अप्रैल की बजाय जुलाई से शुरू होना चाहिए शैक्षिक सत्र

अभिभावको और शिक्षकों का कहना है कि विद्यालयों के खोले जाने के कैलेंडर वर्ष पर पुनः मंथन की आवश्यकता

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। भारत जैसे उष्णकटिबंधीय देश में जहां मौसम का स्वभाव अत्यंत चरम पर होता है वहां विद्यालयों के शैक्षणिक सत्र की तिथियां केवल परंपरा नहीं बल्कि बच्चों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए तय होनी चाहिए। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में जब तापमान अक्सर 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है तब यह अत्यावश्यक हो गया है कि विद्यालयों के खुलने की तिथि पर पुनः मंथन किया जाए। भीषण गर्मी में पढ़ाई क्या बालहित में है यह अत्यंत विचारणीय है।

गर्मी की चरम स्थिति विशेषकर मई–जून में बच्चों के लिए अत्यंत कष्टप्रद और स्वास्थ्य के लिए घातक हो सकती है। अत्यधिक तापमान में लू लगने का खतरा बढ़ जाता है निर्जलीकरण (डिहाइड्रेशन) और थकावट आम हो जाती है, बच्चों की एकाग्रता और सीखने की क्षमता घट जाती है।

इस समय स्कूलों में बैठना, यातायात से गुजरना और खुली गर्म हवाओं का सामना करना बच्चों को न केवल शारीरिक कष्ट देता है बल्कि दीर्घकालिक स्वास्थ्य प्रभाव भी छोड़ सकता है। आखिर क्यों 1 जुलाई से विद्यालय खोलना है अधिक उपयुक्त–

1. मानसून की शुरुआत- जून के अंत या जुलाई की शुरुआत में मानसून सक्रिय हो जाता है जिससे तापमान में गिरावट आती है। ठंडी हवाएं और वर्षा बच्चों के लिए अपेक्षाकृत अनुकूल वातावरण प्रदान करती हैं।

2. छुट्टियों की सार्थकता- मई–जून की छुट्टियाँ यदि पूरी गर्मी में दी जाएँ तो उनका वास्तविक उद्देश्य बच्चों को गर्मी से बचाना सार्थक होता है।

3. शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य में सुधार- ठंडे मौसम में बच्चों की ऊर्जा, ध्यान और उत्साह में स्वाभाविक रूप से वृद्धि होती है जिससे शैक्षणिक सत्र की शुरुआत बेहतर ढंग से हो पाती है।

परिवर्तन समय की मांग–

आज जब हम नई शिक्षा नीति की बात कर रहे हैं, समावेशी और बाल–केंद्रित शिक्षा की पैरोकारी कर रहे हैं तो यह आवश्यक है कि विद्यालयों के कैलेंडर पर भी उसी संवेदनशीलता से विचार किया जाए। एक अप्रैल से नया सत्र हो यह विचार प्रशासनिक दृष्टिकोण से सहज लग सकता है लेकिन बच्चों की शारीरिक क्षमता, सामाजिक परिवेश और मौसम की कठोरता को देखते हुए 1 जुलाई से सत्र शुरू करना अधिक न्यायसंगत और मानवतावादी निर्णय होगा। उल्लेखनीय है विद्यालयों के खोले जाने का निर्णय किसी भी देश की शैक्षणिक दृष्टि, प्रशासनिक दूरदर्शिता और बच्चों के प्रति उसकी संवेदनशीलता का आईना होता है। जब तक हम भीषण गर्मी में बच्चों को विद्यालय भेजने को एक आवश्यकता नहीं बल्कि एक असंवेदनशीलता मानकर सुधार नहीं करेंगे ।

तब तक शिक्षा केवल पाठ्यक्रम की पूर्ति बनकर रह जाएगी, जीवन निर्माण नहीं इसलिए एक जुलाई से विद्यालय खोलना न केवल व्यावहारिक है बल्कि बच्चों के जीवन और स्वास्थ्य के प्रति एक न्यायपूर्ण कदम भी है।

डयूटी खत्म करके घर लौट रहे फैक्टरी कर्मी समेत दो की मौत

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। कल्याणपुर और फजलगंज थानाक्षेत्र में बुधवार रात ड्यूटी से घर लौट रहे अधेड़ और युवक के शव सड़क किनारे पड़े मिले। पुलिस ने परिजनों को जानकारी देकर शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पुलिस प्रथम दृष्टया दोनों मामलों में हीट स्ट्रोक से मौत की आशंका जता रही है।

आवास विकास तीन निवासी श्याम बदन तिवारी (55) दादानगर स्थित रैपर बनाने वाली फैक्टरी में काम करते थे। बेटे प्रसून ने बताया कि डयूटी खत्म होने के बाद पिता रात साढ़े आठ बजे फैक्टरी से निकले थे, लेकिन देर रात तक उनका कुछ पता नहीं चला। गुरुवार सुबह साढ़े पांच बजे पुलिस ने आवास विकास में गायत्री पैलेस के पास सड़क किनारे शव पड़ा होने की सूचना दी। उनकी मौत से पत्नी कुमुद और बेटी जया रो–रोकर बेहाल हैं।

वहीं, मूलरूप से फतेहपुर के थाना कल्याणपुर के गोपालगंज निवासी राजू (40) नौबस्ता में किराये का कमरा लेकर रहता था। चाचा मुन्नीलाल ने बताया कि राजू चकरपुर मंडी से आलू के बोरे लोडर में लादकर दुकानदारों तक पहुंचाता था। बुधवार रात वह घर लौट रहा था। विजयनगर चौराहे पर हालत बिगड़ गई और सड़क किनारे मौत हो गई।

सम्पादकीय

गुजरात में बोइंग विमान दुर्घटना ने उठाए सवाल

गुजरात स्थित अहमदाबाद हवाई अड्डे के पास एयर इंडिया के विमान की भयावह दुर्घटना ने पूरे देश को दुख और गम में डुबो दिया। हाल के वर्षों में हुई यह बड़ी दुखद दुर्घटना हवाई यात्रा से जुड़े जोखिमों पर नये सिरे से गंभीर मंथन की जरूरत को बताती है। निश्चित रूप से यह हादसा नागरिक उड्डयन के लिये भी एक बड़ा झटका है, जो भारतीय अर्थव्यवस्था के सबसे तेजी से बढ़ते क्षेत्रों में शामिल है। आज भारत दुनिया के अग्रणी विमानन बाजारों में शुमार है। विडंबना यह है कि अभी दो महीने पहले ही नई दिल्ली में विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो यानी एएआईबी में अत्याधुनिक डिजिटल फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर और कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर प्रयोगशाला का उद्घाटन किया गया था। करीब नौ करोड़ रुपये की लागत से बनी इस प्रयोगशाला को केंद्र सरकार ने विमानन सुरक्षा बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया था। जिसका मकसद हवाई दुर्घटनाओं की पहचान करना और जवाबदेही सुनिश्चित करना था। ताकि सुरक्षा उपायों को लेकर जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिये तंत्र में सुधार किया जा सके। अब विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो को गुरुवार को बोइंग 787 ड्रीमलाइनर के दुर्घटनाग्रस्त होने की जांच का काम सौंपा गया है। एएआईबी के पास अब यह पता लगाने की जिम्मेदारी होगी कि गुरुवार को हुई दुर्घटना के असल कारण क्या थे। बल्कि निकट भविष्य में हवाई यात्राओं को सुरक्षित बनाने के लिए भी सुझाव दिए जा सकेंगे। इसके अंतर्गत ब्यूरो बोइंग के सुरक्षा रिकॉर्ड और परिचालन निरीक्षण की भी गहराई से जांच करेगा। निश्चित रूप से परिचालन प्रक्रिया कड़ी जांच के दायरे में होगी। उल्लेखनीय है कि तकनीकी खामियों के चलते बोइंग के कई अन्य 787 ड्रीमलाइनरों की सुरक्षा प्रक्रिया को लेकर सवाल उठाये जाते रहे हैं। हाल के वर्षों में कई व्हिसल ब्लोअर्स ने 787 ड्रीमलाइनर के सुरक्षा उपायों को लेकर गंभीर चिंताए जताई थीं। जिसके बाद यूएस फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन यानी एफएए ने ड्रीमलाइनर विमान के उत्पादन और असेंबली प्रक्रियाओं की गहन जांच की थी।

उल्लेखनीय है कि बोइंग की सुविधाओं के एफएए द्वारा ऑडिट करने पर निर्माण की प्रक्रिया में अनियमितताओं और कंपनी की सुरक्षा संस्कृति में खामियों का पता चला था। बल्कि व्हिसल ब्लोअर्स ने तो यहां तक भी आरोप लगाए थे कि बोइंग की कार्यप्रणाली में खामियों को उजागर करने के लिए उन्हें बदले की कार्रवाई का सामना भी करना पड़ा था। उल्लेखनीय है कि रिपब्लिक एयरवेज के सीईओ ब्रायन बेडफोर्ड, जिन्हें अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा एफएए का प्रमुख नियुक्त किया गया है, ने बुधवार को कहा था कि वर्ष 2018 और 2019 में दो बोइंग 737 मैक्स दुर्घटनाओं से जुड़ी एक प्रमुख सुरक्षा प्रणाली की विफलता के बारे में कुछ वास्तविक व गंभीर सबक सीखे गए हैं, जिसमें 346 लोगों की मृत्यु हो गई थी। निश्चित रूप से अहमदाबाद विमान हादसे के बाद भारतीय अधिकारियों को अपने अमेरिकी समकक्षों के साथ गंभीर विमर्श करना चाहिए। बहरहाल, अहमदाबाद से लंदन जा रही फ्लाइट एआई 171 के हादसे ने सैकड़ों परिवारों को गहरे जख्म दे दिए हैं। हादसे में दो सौ से अधिक लोगों के मरने की पुष्टि हो चुकी है, वहीं एक व्यक्ति के जीवित बचने को कुदरत का करिश्मा माना जा रहा है। दूसरी ओर रिहाइशी इलाके में विमान के गिरने से हुई क्षति भी दुखद है। पुलिस द्वारा चालीस लोगों के अस्पताल में उपचाराधीन होने की बात भी कही जा रही है। कहना कठिन है कि यह कैसी स्थिति है कि एक मेडिकल कालेज के पास हुई इस दुर्घटना में घायलों को तुरंत उपचार देना संभव हो पाया है। उल्लेखनीय है कि विमान मेडिकल कालेज के छात्रों के मैस पर गिरा। उस समय छात्र लंच कर रहे थे।

एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर वो प्रेम जो किसी का जीवन निगल गया

शिवांक अग्निहोत्री पत्रकार

प्यार कभी जीवन देता था अब, जान लेने लगा है।

एक समय था जब विवाह को सात फेरों की पवित्र डोर कहा जाता था। आज उसी रिश्ते को एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर्स की तेज़ाबी हवाएं चीर रही है और डर इस बात का नहीं कि प्यार किसी और से हो गयाडर इस बात का है कि इस प्यार की आड़ में हत्याएं हो रही हैं और मारे जा रहे हैं वो पुरुष, जिन्होंने वैवाहिक रिश्ते पर भरोसा किया। भारत के अलग-अलग राज्यों से हाल के महीनों में जो घटनाएं सामने आई हैं, वे किसी खौफनाक फिल्म की स्क्रिप्ट नहीं, बल्कि सच में घटी घटनाएं हैं जो हमें बताती हैं कि कैसे एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर आज एक भावनात्मक धोखे से बढ़कर जानलेवा जुर्म में तब्दील हो चुका है।राजा रघुवंशी की हत्या की खबर ने पूरे देश को झकझोर दिया था। अपनी पत्नी सोनम के साथ मेघालय गए राजा की हत्या उसी महिला ने कर दी, जिससे वह शादी कर, जीवन भर साथ निभाने का सपना देख रहा था। सोनम का प्रेमी, पहले से तैयार योजना, और राजा का मासूम भरोसा यही कहानी थी, जो राजा के खून से लिखी गई।

मगर यह अकेली घटना नहीं थी।

बिहार के भोजपुर में मिथिलेश पासवान की पत्नी ने प्रेमी के साथ मिलकर उसका सिर कुचल डाला। गला काटा और शव को घर के अंदर ही छोड़ दिया। यही नहीं, पड़ोसियों को यह कहकर बहलाने की कोशिश की गई कि वह कहीं चला गया है। पुलिस ने जब सच्चाई उजागर की, तो पूरा गांव सन्न रह गया।बलिया के देवेंद्र राम की तो कहानी सुनकर रूह कांप जाती है। पत्नी और उसके तीन प्रेमियों ने उसे बुरी तरह पीटा, शरीर के टुकड़े किए और अलग-अलग जगहों पर फेंक दिया। यह हत्या नहीं थी, यह नफरत की सबसे क्रूर शक्ल थी जिसे प्रेम कहा जा रहा था।कानपुर के विशाल यादव ने आत्महत्या की। वजह? पत्नी के संबंध, बार-बार के झूठे आरोप और चरित्र हनन। कोई सुनवाई नहीं हुई। किसी ने नहीं पूछा कि उसे जीने की इतनी बड़ी सज़ा क्यों मिली?मध्य प्रदेश से लेकर राजस्थान, उत्तर प्रदेश से लेकर महाराष्ट्र तक, दर्जनों ऐसे केस रिपोर्ट हुए हैं जहाँ महिला ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर पति को मार डाला। कहीं जहर दिया गया, कहीं सिर पर वार किया गया, कहीं सोते हुए गला रेत दिया गया।यह घटनाएं अब अपवाद नहीं रहीं यह एक उभरता हुआ सामाजिक अपराध चक्र है।

एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर अब महज नैतिकता का मुद्दा नहीं रहा। अब यह सुनियोजित हत्या, मानसिक उत्पीड़न, और विश्वासघात का घातक संगम बन चुका है। और इसकी सबसे बड़ी चूक है समाज की चुप्पी और कानून की निष्क्रियता।इन घटनाओं में एक बात कॉमन होती है मरने वाला पुरुष होता है, और आरोपी महिला को अक्सर संदेह का लाभ, आत्मरक्षा, या भावनात्मक अस्थिरता की ढाल मिल जाती है। मीडिया भी इन मामलों को उतनी तवज्जो नहीं देता जितनी देनी चाहिए।कल्पना कीजिए अगर यही घटनाएं उलट होतीं, और पति अपनी पत्नी को किसी अफेयर के चलते मार देता, तो क्या मीडिया, समाज और कानून की प्रतिक्रिया इतनी शांत होती? एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर, भले ही कानूनी अपराध न माना जाए, लेकिन जब यह किसी की हत्या, मानसिक प्रताड़ना, या आत्महत्या का कारण बने तब यह सिर्फ नैतिक संकट नहीं रह जाता। यह कानूनी हस्तक्षेप और सामाजिक चेतना का विषय बन जाता है। क्या हमने कभी सोचा है कि इन घटनाओं से पुरुषों के भीतर कितना भय और असुरक्षा भरती जा रही है? एक पति अब शादी करते हुए डरता है कहीं जिसे वह जीवनसाथी समझ रहा है, वही उसका काल न बन जाए।क्या यह वही देश है जहाँ नारी को शक्ति कहा जाता है? और यदि हां तो क्या शक्ति का अर्थ यह भी हो सकता है कि कोई अपने ही पति को मार दे, और समाज कहे कुछ तो रहा होगा?पुरुषों के पास शिकायत करने का कोई सुरक्षित मंच नहीं। कोई आयोग, कोई आयोग की अध्यक्ष, कोई सरकारी योजना नहीं जो उनकी पीड़ा सुने।और सबसे बड़ा दुख ये कि जब वे चिल्लाते हैं, तो उन्हें कमज़ोर, क्रोधित, या अपराधी कहकर खारिज कर दिया जाता है। भारत जैसे देश में जहाँ परिवार और विवाह को परम मूल्य माना जाता है, वहाँ एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर के नाम पर हत्या का यह ट्रेंड हमें बता रहा है कि कहीं कुछ बहुत गड़बड़ हो चुका है।अब समय आ गया है कि हम सिर्फ स्त्री पीड़ा नहीं, पुरुष पीड़ा को भी सुनें। अब समय है कि महिला के उत्पीड़न से यदि पुरुष आत्महत्या भी करें तो उसे हत्या की श्रेणी में रखा जाए।क्योंकि जब विश्वास के नाम पर खून होने लगे, जब प्रेम के नाम पर शरीर के टुकड़े किए जाएं,और जब कानून, मीडिया और समाज सिर्फ एक पक्ष को देखने लगे तब सच यह होता है कि इंसानियत मर चुकी होती है।राजा रघुवंशी, मिथिलेश, देवेंद्र, विशाल ये नाम याद रखिए। क्योंकि हो सकता है, अगला नाम किसी ऐसे का हो जिसे आप जान रहे हों, लेकिन पहचानने से पहले वह इस घिनौने चक्र में खो चुका हो।

नारीत्व और धरती का उत्सव

रजो पर्व 14 से 16 जून

धीरज बसाक

उड़ीसा की सांस्कृतिक धरती पर हर वर्ष रजो पर्व एक जीवंत परंपरा के रूप में मनाया जाता है। यह तीन दिवसीय उत्सव धरती मां की उर्वरता और नारीत्व के गौरव का उत्सव है। मासिक धर्म जैसे विषय को सामाजिक स्वीकार्यता और गरिमा के साथ प्रस्तुत करता यह पर्व, स्त्री और प्रकृति के गहरे संबंध को सांस्कृतिक उत्सव में बदल देता है।त्योहारों और सांस्कृतिक विरासत से समृद्ध उड़ीसा एक बार फिर रजो या रज पर्व के उल्लास में डूबने को तैयार है। 14 से 16 जून तक त्योहारों से समृद्ध उड़ीसा में रजो या रज पर्व मनाया जाएगा। यह अनूठा पर्व धरती मां की उर्वरता के उत्सव के रूप में नारीत्व का उत्सव भी है। तीन दिवसीय यह पर्व मिथुन संक्रांति से जुड़ा होता है और इसकी शुरुआत संक्रांति के एक दिन पूर्व 'पहली रजो' से होती है। इस दिन विवाहित महिलाएं स्नान और ध्यान कर धरती मां तथा वर्षा के देवता इंद्र से जीवन और प्रकृति की समृद्धि की कामना करती हैं।दूसरे दिन मिथुन संक्रांति होती है, जबकि तीसरे दिन भू-दाहा या बासी रजो पर्व मनाया जाता है। यह वास्तव में धरती माता को मासिक धर्म आने का उत्सव है। दूसरे शब्दों में, यह पर्व किशोरियों में मासिक धर्म की शुरुआत के प्रतीक रूप में भी देखा जाता है। इसीलिए उड़ीसा के कुछ अंग्रेज़ी अख़बार इसे 'वुमनहुड फेस्टिवल' भी कहते हैं।

हर वर्ष तीन दिन तक चलने वाला यह पर्व चौथे दिन बसुमति स्नान के साथ समाप्त होता है। मान्यता है कि इन तीन दिनों के दौरान धरती माता मासिक धर्म से गुजरती हैं और चौथा दिन शुद्धीकरण का होता है। यह आश्चर्यजनक है कि भारत जैसे देश में, जहां मासिक धर्म जैसे विषयों पर महिलाएं तक खुलकर बात नहीं करतीं, वहीं उड़ीसा में धरती माता के बहाने पीरियड्स को उत्सवपूर्वक मनाया जाता है। इसे रजो महोत्सव या रजो पर्व कहा जाता है।

इस अनूठे पर्व के दौरान, जो इस वर्ष 14 से 16 जून तक मनाया जाएगा, मानसून

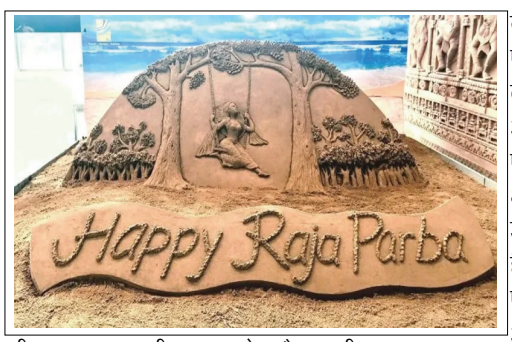

की शुरुआत का भी स्वागत होता है। धरती माता की विशेष पूजा-अर्चना की जाती है। माना जाता है कि इन दिनों उड़ीसा में अच्छी वर्षा होती है, जो कृषि के लिए अत्यंत आवश्यक है। इस पर्व में महिलाएं, पुरुष, बच्चे—सभी उत्साहपूर्वक भाग लेते हैं।

पर्व का माहौल इतना उल्लासपूर्ण होता है कि इन तीन दिनों तक कृषि से संबंधित कोई कार्य नहीं किया जाता। सभी कार्य रोक दिए जाते हैं ताकि धरती माता को विश्राम मिल सके। लड़कियां और युवतियां नए वस्त्र पहनती हैं, सजती-संवरती हैं, मेहंदी लगाती हैं, झूला झूलती हैं। विवाहित महिलाएं भी इन तीन दिनों तक किसी भी प्रकार का घरेलू कार्य नहीं करतीं; घर की रसोई और अन्य कार्यों की ज़िम्मेदारी पुरुषों की होती है।ग्रामीण क्षेत्रों में इस पर्व की उत्सवधर्मिता देखते ही बनती है—अनेक प्रकार के खेल, पारंपरिक पकवान, नृत्य और झूले उत्सव को भव्य बनाते हैं। इस दौरान उड़ीसा का प्रमुख पारंपरिक पकवान पीठा बनाया जाता है। उड़ीसा पर्यटन विकास निगम भी इस अवसर पर विविध आयोजन करता है।पहले दिन को रजो कहा जाता है और यह धरती माता के मासिक धर्म का पहला दिन माना जाता है। इस दिन उड़ीसा में कुंवारी लड़कियां ज़मीन पर नंगे पैर नहीं चलतीं। दूसरा दिन मिथुन संक्रांति या रजो संक्रांति होता है, जब भू-देवी रजस्वला होती हैं। तीसरे दिन को शेष रजो, भू-दाहा अथवा बासी रजो कहा जाता है, जब यह पर्व औपचारिक रूप से समाप्त होता है। हालांकि समापन चौथे दिन बसुमति स्नान से होता है। इस दिन हल्दी का उबटन लगाकर महिलाएं स्नान करती हैं और खास पकवान जैसे पोडा पीठा और चाकुली पीठा बनाए जाते हैं। लड़कियां विभिन्न प्रकार की डोलियों—डोली, रामडोली, चरकी डोली, डांडी डोली—का आनंद उठाती हैं।

उड़ीसा देश का एकमात्र ऐसा राज्य है जहां मासिक धर्म जैसे विषय पर इतना खुला और सार्वजनिक उत्सव मनाया जाता है। पश्चिम और दक्षिण उड़ीसा में यह परंपरा सदियों पुरानी है।

यह पर्व न केवल सामाजिक खुलापन और स्पष्टता का प्रतीक है, बल्कि इस मान्यता से भी जुड़ा है कि रजो पर्व मनाने से धरती में कभी अन्न और धन की कमी नहीं होती। घरों में सुख, समृद्धि और खुशहाली आती है। इस पर्व से कई ज्योतिषीय गणनाएं भी जुड़ी होती हैं। जब सूर्य मिथुन राशि में प्रवेश करता है, उन्हीं तिथियों के आसपास उड़ीसा में मानसून का प्रवेश होता है। यही कारण है कि इसे रजो पर्व कहा जाता है।

क्या मुखबिर चला रहे चौकी और थाना...!

» चौकी प्रभारी की लापरवाही का खामियाजा भुगत रहा पीड़ित परिवार

» पारिवारिक विवाद में थाना किदवई नगर पुलिस ने की एक तरफा कार्यवाही

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। वैसे तो मुखबिर का सहारा लेकर अपराधियों को पकड़ने के किस्से अपने बहुत सुने और देखे होंगे पर मुखबिर के इशारे पर पीड़ित को ही आरोपी बनता शायद ही अपने कभी देखा होगा या फिर सुना होगा। पर कानपुर के थाना किदवई नगर में हर चीज संभव है। यहां पर मुखबिर चाहे तो पीड़ित को आरोपी बनवा दें और मुखबिर चाहे तो आरोपी को पीड़ित बना दें। ऐसा ही एक अनोखा कार्य बीते दिनों थाना किदवई नगर पुलिस द्वारा किया गया जहां पर पीड़ित की सुनवाई करने की जगह उसको ही आरोपी मान कर मुकदमा

दर्ज कर लिया गया।

थाना किदवई नगर क्षेत्र के सफेद कालोनी की रहने वाली सरोजनी गुप्ता पत्नी स्वर्गीय धीरेन्द्र नाथ गुप्ता का विवाद अपने देवर विपिन गुप्ता से हुआ था जिसकी शिकायत पीड़िता द्वारा चौकी प्रभारी लाल कालोनी से की गई पर चौकी प्रभारी द्वारा पीड़िता की शिकायत को नजर अंदाज कर दिया गया जिससे आरोपी देवर के हौसले इतने बढ़ गए कि 9 जून को उसने पुनः

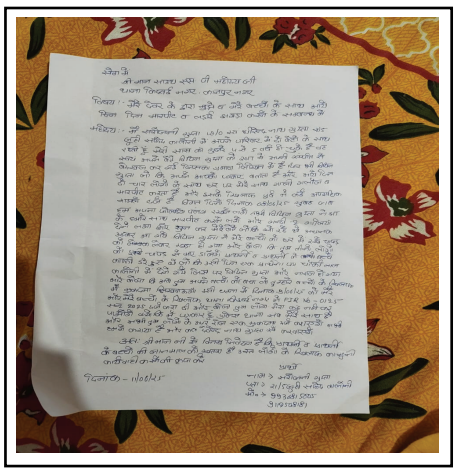

सरोजनी गुप्ता पर हमला कर दिया। सरोजनी गुप्ता ने बताया कि उनके द्वारा पुनः चौकी प्रभारी से शिकायत की गई पर किदवई नगर पुलिस ने उनकी कोई भी सुनवाई न की बल्कि उनके और उनके लड़कों पर ही मुकदमा दर्ज कर लिया।

बताते चलें थाना किदवई नगर क्षेत्र की सफेद कालोनी की रहने वाली सरोजनी गुप्ता के द्वारा किदवई नगर पुलिस पर कई गंभीर आरोप लगाए गए । सरोजनी गुप्ता ने बताया कि बीती 8 जून को उनका विवाद उनके देवर विपिन गुप्ता से हुआ था जिसकी लिखित शिकायत करने के बाद भी लाल कॉलोनी चौकी इंचार्ज द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई उल्टा उनके और उनके लड़कों के खिलाफ ही किदवई नगर पुलिस द्वारा मुकदमा दर्ज करने का कार्य किया गया । सरोजिनी गुप्ता ने बताया कि यह सारा कारनामा लाल कॉलोनी चौकी में अंगद की तरह पैर जमाए बैठ मुखबिर के इशारे पर किया गया। जहां एक ओर प्रदेश के मुखिया व उत्तर प्रदेश के डीजीपी महिला उत्पीड़न के मामलों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दे रहे हैं वहीं किदवई नगर पुलिस द्वारा मुखबिरों के इशारे पर महिला का ही उत्पीड़न कर एक तरफा कार्रवाई की जा रही है । थाने और चौकी में शिकायत करने के बाद भी जब सरोजिनी गुप्ता की कोई भी सुनवाई नहीं हुई तो पीड़िता ने पुलिस उपायुक्त दक्षिण के दर पर न्याय की गुहार लगाई है अब देखना यह है की उच्च अधिकारियों द्वारा आरोपी विपिन गुप्ता और दोषी पुलिस कर्मियों पर क्या कार्रवाई की जाती है ।

ब्लैंक पेपर होते हैं बच्चे, परिवरिश पर ध्यान दें

बच्चों के सुनहरे कल के लिए शिक्षा में संवेदनशीलता जरूरी

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर । मनुष्य कोई पूर्ण रूप से बना-बनाया जीव नहीं है, वह भी एक संभावना है जिसे उचित शिक्षा, संवेदनशील माहौल और प्रेरक संबंधों द्वारा तराशा जा सकता है। यह विचार न केवल दार्शनिक दृष्टि से सत्य है बल्कि शिक्षाशास्त्र के मूल सिद्धांतों से भी गहराई से जुड़ा है। हर बच्चा एक खुला पाठ होता है जिसमें उसके परिवेश, अनुभव और सीखने की प्रक्रिया मिलकर अर्थ भरते हैं।

यदि शिक्षा केवल अनुशासन और अंकों तक सीमित कर दी जाए तो वह एक संभावित मानव को सिर्फ आज्ञाकारी इकाई में बदल देती है जो सोचता नहीं, सिर्फ आदेश मानता है।

इससे समाज में न बुद्ध पैदा होते हैं, न गांधी और न आइंस्टीन। वहीं अगर हम एक शिक्षाशास्त्रीय दृष्टिकोण से यह मानें कि सीखना केवल पाठ्यक्रम की पूर्ति नहीं बल्कि सोचने, समझने और सवाल करने की प्रक्रिया है तो हमें यह

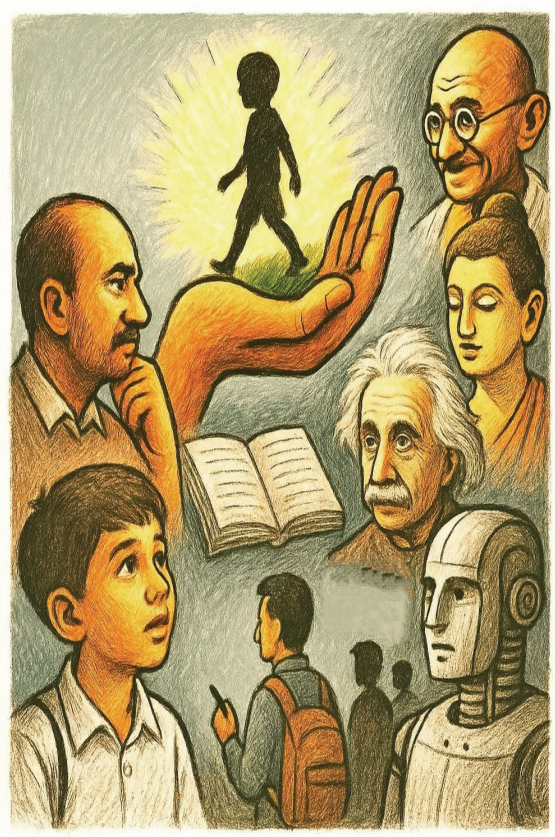

भी मानना होगा कि शिक्षक, विद्यालय और समुदाय की भूमिका एक मानव-निर्माता की है। यदि बच्चों में क्रूरता, असंवेदनशीलता या हिंसक प्रवृत्तियाँ पनपती हैं तो यह केवल परिवार की नहीं शिक्षा व्यवस्था की भी असफलता है। शिक्षाशास्त्र हमें बार-बार यह चेतावनी देता है कि यदि हम बच्चों को विवेक, करुणा और सह-अस्तित्व नहीं सिखा पाए तो हम एक समाज नहीं सिर्फ भीड़ तैयार कर रहे हैं इसलिए यदि कल कोई बच्चा हिटलर या अपराधी बनता है तो हमें खुद से पूछना होगा हमने उसे इंसान बनने का मौका दिया था या उसे सिर्फ एक प्रणाली में फिट होने वाला प्रोडक्ट बनाने में लगे थे। शिक्षा अगर संवेदना नहीं सिखा रही तो वह सिर्फ सूचनाओं का अंबार है जो मनुष्य को मशीन बना सकता है पर मानव नहीं। शिक्षा में संवेदना एक अनिवार्य तत्व है जो छात्रों में सामाजिक, नैतिक और व्यक्तिगत विकास को बढ़ावा देती है।व्यक्ति को अपने आसपास के लोगों के दर्द और कठिनाइयों को समझने और उनका समर्थन करने में मदद करती है। सामाजिक अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने और सुधार के लिए काम करने को प्रेरित करती है।

कल से 48 घंटे के लिए बंद हो जाएगा यमुना पुल

लखनऊ नहीं जा सकेंगे भारी वाहन, रूट डाइवर्जन किया गया है

वरिष्ठ संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। कानपुर-सागर हाईवे पर स्थित क्षतिग्रस्त यमुना पुल की मरम्मत के चलते पुल से 48 घंटे के लिए वाहनों का आवागमन भी रोक दिया गया है। कार्य के चलते प्रत्येक सप्ताह शनिवार सुबह छह बजे से लेकर सोमवार सुबह छह बजे तक पुल से आवागमन बिल्कुल बंद रहेगा।

और इसको लेकर पीएनसी ने हाईवे किनारे लोगों को जागरूक करने के लिए रूट डायवर्जन बोर्ड भी लगवा दिए हैं।साथ ही पुल की मरम्मत को लेकर कार्यदायी संस्था पीएनसी ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। शनिवार से पुल लिफ्टिंग कर इसकी बीयरिंग बदलने का काम शुरू कर दिया जाएगा।

और 14 जून से 21 जुलाई तक चलने वाले इस कार्य में प्रत्येक शनिवार व रविवार को पुल की मरम्मत का कार्य किया जाएगा। इन दो दिनों में पुल से सभी तरह के वाहनों का आवागमन पूरी तरह से बंद रहेगा।और इसके अलावा महोबा की ओर से हमीरपुर, कानपुर जाने वाले वाहन कबरई से बांदा, चौडगरा एवं खन्ना बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे से होते हुए कानपुर को प्रस्थान करेंगे।

यमुना पुल पर मरम्मत के लिए शनिवार व रविवार के दिन तय किए गए हैं। ऐसे में 14, 15, 28 व 29 जून के अलावा 5, 6, 12, 13, 19 व 20 जुलाई को पुल पर आवागमन बंद रहेगा।

साथ ही एआरटीओ अमिताभ राय ने बताया कि पुल की मरम्मत के दौरान वाहनों को निर्धारित रूटों से गुजारा जाएगा। मरम्मत के दौरान कोई भी वाहन पुल से नहीं गुजर सकेगा।

शनिवार की शाम से रविवार की रात आठ बजे तक भारी वाहन लखनऊ नहीं जा सकेंगे। यह व्यवस्था लखनऊ में पुलिस के नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम की वजह से की जा रही है।

दिवंगत शिक्षक के परिवार को 50 लाख मदद

» टीएससीटी ने घर पहुंचकर जताई संवेदना, अब तक 336 परिवारों को मिली राहत

मृतक शिक्षक के परिवार से मिलते विनीत मिश्रा व अन्य जिला कमेटी के लोग।

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। टीचर्स सेल्फ केयर टीम (TSCT) उत्तर प्रदेश ने विकास खंड मलासा के दिवंगत शिक्षक राम खिलावन के परिवार को 50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने का निर्णय लिया है। टीम ने उनके आवास पर पहुंचकर स्थलीय निरीक्षण किया और शोक संवेदना व्यक्त की। शिक्षक की पत्नी प्रतिभा गौतम को नॉमिनी बनाया गया है, जिनके खाते में सहयोग राशि भेजी जाएगी। अस्ष्टञ के जिला संयोजक विनीत कुमार मिश्र के नेतृत्व में टीम ने परिजनों को भरोसा दिलाया कि संस्था हर स्थिति में उनके साथ खड़ी रहेगी।11 अक्टूबर 2024 को सड़क हादसे में राम खिलावन की मृत्यु हो गई थी। वे अस्ष्टञ के सक्रिय सदस्य थे। जांच के बाद वैधानिकता तय होने पर 'अलर्ट 64' के अंतर्गत सहयोग सुनिश्चित हुआ। टीम में सरस कुमार सिंह यादव, विष्णु कुमार मिश्रा, राकेश मिश्रा, अजय सिंह, लोकेंद्र सचान, विनोद पटेल व कुसुमा सचान शामिल रहे। अस्ष्टञ अब तक 336 दिवंगत शिक्षकों के परिवारों को 138 करोड़ रुपये से अधिक की सहायता दे चुकी है।

देश में कब-कब हुये बड़े विमान हादसे?

हादसा	कब हुआ	कहां हुआ	मौतें
एयर इंडिया प्लेन हादसा	1 जनवरी 1978	मुंबई के पास अरब सागर में	213
इंडियन एयरलाइंस प्लेन हादसा	19 अक्टूबर 1988	अहमदाबाद एयरपोर्ट के पास	130
चरखी दादरी प्लेन हादसा	12 नवंबर 1996	हरियाणा के चरखी दादरी के पास	349
एलाइंस एयर प्लेन हादसा	17 जुलाई 2000	पटना में	60
एयर इंडिया एक्सप्रेस प्लेन हादसा	22 मई 2010	मेंगलुरू इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर	158
एयर इंडिया प्लेन हादसा	12 जून 2025	अहमदाबाद में	240

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादकः** अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

हादसे को बुलावा दे रहे सूखे पेड़, कब जागेगा वन विभाग

» देवीपुर-मलासा मार्ग पर हादसे को दावत दे रहे सूखे पेड़, ग्रामीणों की चेतावनी के बाद भी वन विभाग बेपरवाह

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। देवीपुर से मलासा मार्ग पर रानी बगिया मोड़ के पास सड़क किनारे खड़े सूखे आम के पेड़ राहगीरों के लिए खतरे की घंटी बन चुके हैं। बीते गुरुवार शाम तेज हवा में एक सूखे पेड़ की डाल टूटकर सड़क पर गिर गई, जिससे वहां से गुजर रहा एक बाइक सवार बाल-बाल बचा। इस घटना के बाद भी संबंधित विभाग आंखें मूंदे बैठा है।स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि यह आम के पेड़ सरकारी भूमि पर लगे हैं और काफी समय से सूखे पड़े हैं। इनकी डालें पहले भी कई बार गिर चुकी हैं, जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। बावजूद इसके, वन विभाग कोई कार्रवाई नहीं कर रहा।ग्रामीणों ने मांग की है कि इन खतरनाक पेड़ों को जल्द से जल्द हटाया जाए, वरना किसी दिन बड़ी अनहोनी हो सकती है। पास में मवेशी चरा रहे चरवाहों ने भी बताया कि वे हमेशा डर के साए में रहते हैं।

क्या बोले जिम्मेदार ...

भोगनीपुर वन रेंजर स्वामी दीन से संपर्क की कोशिश की गई, लेकिन बात नहीं हो सकी।ग्रामीणों का कहना है कि यदि कोई जान-माल की हानि होती है, तो इसके लिए पूरी तरह से वन विभाग जिम्मेदार होगा।

50 ग्राम पंचायतों में खुलेंगे ओपन जिम, 19 जून को होगा शुभारंभ

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। उत्तर प्रदेश सरकार की ग्रामीण विकास योजनाओं के तहत जनपद कानपुर देहात के 50 ग्राम पंचायतों में तैयार कराए गए ओपन जिम का उद्घाटन 19 जून को माननीय जनप्रतिनिधियों की अध्यक्षता में किया जाएगा। यह पहल जिलाधिकारी आलोक सिंह के मार्गदर्शन और मुख्य विकास अधिकारी लक्ष्मी एन0 की निगरानी में पूरी हुई है। इस पहले चरण में अकबरपुर, अमरौधा, डेरापुर, झींझक, मैथा, मलासा, राजपुर, रसूलाबाद, संदलपुर और सरवनखेड़ा विकासखंडों की चयनित पंचायतों में ओपन जिम का निर्माण पूरा कर लिया गया है।

» स्वस्थ ग्राम की दिशा में बड़ा कदम, जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में होगा उद्घाटन

» सीडीओ लक्ष्मी एन ओपन जिम से बुजुर्ग और युवा दोनों को मिलेगा स्वस्थ जीवन का मार्ग

» सीडीओ बोले- ओपन जिम से गांवों में आई जागरूकता और उत्साह

इन ओपन जिम और खेल मैदानों में आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं जिनमें कार्डियो, शक्ति और लचीलापन प्रशिक्षण के उपकरण शामिल हैं। यहां बच्चे, युवा, और बुजुर्ग सुबह-शाम व्यायाम व योग कर स्वस्थ जीवन शैली की ओर अग्रसर हो रहे हैं। यह पहल न सिर्फ शारीरिक बल्कि मानसिक स्वास्थ्य को भी सशक्त करने में सहायक सिद्ध हो रही है।

गांवों में जिम, खेल मैदान और फिटनेस का माहौल

जिलाधिकारी-सीडीओ की जोड़ी बदल रही गांवों की तस्वीर

ग्राम पंचायत स्तर पर ओपन जिम की स्थापना से ग्रामीणों में फिटनेस के प्रति जागरूकता बढ़ी है। बच्चे जहां खेल मैदान में दौड़ते और खेलते दिखाई देते हैं, वहीं बुजुर्ग और ग्रामीण जिम उपकरणों पर सुबह-शाम कसरत करते हैं। इससे गांवों में सौहार्दपूर्ण और सक्रिय वातावरण बना है।जिला प्रशासन गांव-गांव खेल प्रतिस्पर्धाओं को बढ़ावा देने और नई खेल प्रतिभाओं को मंच देने का प्रयास कर रहा है। यह पहल भविष्य में ग्रामीण युवाओं को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने का रास्ता भी खोल सकती है। ग्रामीणों ने ओपन जिम को 'स्वस्थ गांव की नई शुरुआत' बताया है।

(मेरठ में हैरान करने वाला कारनामा...)

1 टीचर, 4 जिलों के 8 कॉलेजों में नौकरी

» हर कॉलेज से लाखों में सैलरी हर महीने ले रहा था एक शिक्षक का हुआ खुलासा

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

मेरठ। उत्तर प्रदेश के मेरठ में हैरान करने वाला मामला सामने आया, नटवरलाल दिनेश कुमार पर कोर्ट के आदेश के बाद मुकदमा पंजीकृत हुआ है। ये शिक्षक फर्जी दस्तावेज लगाकर 8 कॉलेज में नौकरी कर रहा था और हर कॉलेज से लाखों में सैलरी हर महीने ले रहा था।

साथ ही फर्जी शपथ पत्र के जरिए इस शिक्षक ने मेरठ, गाजियाबाद, सहारनपुर और पानीपत के स्कूल और कॉलेजों में नौकरी भी हासिल की। और नौकरी के साथ-साथ ये शिक्षक अपनी पढ़ाई भी जारी रखे हुए था।

और अब कोर्ट के आदेश पर मेरठ के सरधना में फर्जी शिक्षक पर मुकदमा भी दर्ज हुआ है।

अध्यक्ष पूनम शर्मा ने कोर्ट में एक प्रार्थना पत्र दाखिल किया था।और इस पत्र में शिक्षक दिनेश कुमार पर झूठे शपथ लगाकर नौकरी हासिल करने का आरोप भी लगा था। और इस मामले में कोर्ट ने दिनेश कुमार के खिलाफ मेरठ के सरधना थाना पुलिस को मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया है।और शिक्षा जगत को शर्मसार करने वाला दिनेश कुमार 8 जगहों पर नौकरी कर रहा था। और इन सभी 8 जगहों से उसको लाखों में सैलरी आती थी।

साथ ही 2016 से 2019 के बीच अटलांटिस कॉलेज में कार्यरत रहते हुए दिनेश कुमार ने हेल्प सेनेटरी डिप्लोमा भी हासिल किया था।

और इन्हीं बातों की जानकारी अटलांटिस कॉलेज की कार्यवाहक अध्यक्ष पूनम शर्मा ने पुलिस को कई बार शिकायत करने के बाद कोर्ट में प्रार्थना पत्र दिया था।

और जिस पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने मुकदमा दर्ज करने के आदेश दिए। अगर सूत्रों की माने तो दिनेश कुमार का अपने पार्टनर से विवाद चल रहा जिसको लेकर एक पार्टनर ने दिनेश कुमार के ऊपर आरोप भी लगाए है।

साथ ही अटलांटिस कॉलेज और एजुकेशन की कार्यवाह

परस्पर तबादला वाले शिक्षकों को तत्काल कार्यमुक्त करें बीएसए

बेसिक शिक्षा परिषद ने जारी किया आदेश

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

लखनऊ/कानपुर। प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों में जिले के अंदर परस्पर तबादला पाने वाले 9272 शिक्षकों को कार्यमुक्त व कार्यभार ग्रहण कराने की प्रक्रिया मंगलवार से शुरू हो गई है। बेसिक शिक्षा परिषद ने तबादला पाने वाले शिक्षकों को स्कूल से स्कूल तबादला देने व 15 जून तक कार्यभार व कार्यमुक्त करने के निर्देश दिए हैं। बेसिक शिक्षा परिषद के सचिव सुरेंद्र कुमार तिवारी ने सभी बीएसए को निर्देश दिया है कि शिक्षकों ने आपसी सहमति के आधार पर तबादले का लाभ लिया है। ऐसे में बीएसए उनके अभिलेखों, विषय, कैडर, पदनाम का परीक्षण करते हुए नियमानुसार उन्हें फटाफट कार्यमुक्त करें और कार्यभार ग्रहण कराएं। नियमित रूप से कार्यरत शिक्षक व शिक्षिका को ही कार्यमुक्त व कार्यभार ग्रहण कराया जाए। जिन शिक्षकों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही चल रही है उन्हें कार्यवाही समाप्त होने के बाद कार्यमुक्त व कार्यभार ग्रहण कराया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि परस्पर तबादले ग्रामीण सेवा संवर्ग से ग्रामीण सेवा संवर्ग व नगर सेवा संवर्ग से नगर सेवा संवर्ग में किए जाएंगे। शिक्षकों को मानव संपदा पोर्टल पर कार्यमुक्त करने व कार्यभार ग्रहण कराने की कार्यवाही की जाएगी। तबादला प्रक्रिया में किसी तरह की अनियमितता व लापरवाही मिलने पर बीएसए उत्तरदायी होंगे।

जीआरपी व आरपीएफ का संयुक्त जन जागरूकता अभियान चलाया

रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को दी गई अहम हिदायतें

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। यात्रियों की सुरक्षा और रेलवे नियमों के पालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जीआरपी (Government Railway Police) और आरपीएफ (Railway Protection Force) की संयुक्त टीमों ने शुक्रवार को रेलवे स्टेशन परिसर में एक जनजागरूकता अभियान चलाया।

अभियान के तहत टीमों ने यात्रियों को चैन पुलिंग, चलती ट्रेन से लटककर यात्रा करना, और महिला व दिव्यांग डिब्बों में अवैध रूप से यात्रा करने जैसी गतिविधियों के खिलाफ सचेत किया। पुलिस अधिकारियों ने यात्रियों को बताया कि यह सब न केवल कानूनन अपराध हैं, बल्कि उनकी जान के लिए भी खतरा हैं।

अभियान में सिर्फ यात्री ही नहीं, बल्कि कुली, स्टेशन परिसर में मौजूद अन्य कर्मचारी, और स्टेशन के आसपास झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले लोगों को भी शामिल किया गया। अभियान के दौरान पुलिस टीमों ने ट्रेनों के भीतर जाकर भी एलान किए और यात्रियों को नियमों के बारे में जानकारी दी।

अधिकारियों ने खासतौर पर युवाओं को ट्रेन के दरवाजे से लटक कर यात्रा करने के खतरों के बारे में आगाह किया और नशे की हालत में यात्रा करने से बचने की सलाह दी।

जीआरपी और आरपीएफ अधिकारियों ने बताया कि ऐसे अभियानों का उद्देश्य यात्रियों को नियमों की जानकारी देकर दुर्घटनाओं और अपराधों की रोकथाम करना है।

पारिवारिक हत्याओं की रोकथाम में प्री-मैरिज काउंसलिंग कारगर

» पूर्व आईपीएस ने राष्ट्रपति को भेजा प्रस्ताव

पूर्व आईपीएस अधिकारी डॉ. बीपी अशोक के साथ शिक्षाविद, वरिष्ठ अधिवक्ता और न्यायविदों ने तैयार किया प्रस्ताव, पारिवारिक हिंसा को रोकने प्रभावी

» बोले सर्वे के अनुसार विवाहपूर्व काउंसलिंग में वैवाहिक संतोष 30त्न अधिक पाया गया और उनमें हिंसा या तलाक की संभावना कम रही

प्रोफेसर विवेक कुमार

डा. बीपी अशोक पूर्व आईपीएस

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ/ नई दिल्ली। विवाहेत्तर संबंधों और घरेलू हिंसा के साथ लगातार हत्या जैसे अपराधों की बढ़ती घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए पूर्व आईपीएस अधिकारी डॉ. बीपी अशोक की अगुवाई में राष्ट्रपति को सम्बोधित एक ज्ञापन भेजा गया है। इसमें पूर्व प्रांतीय विकास सेवा के वरिष्ठ अधिकारी डीके दोहरे,उच्च न्यायालय के सीनियर लौ काउन्सिल महेंद्र मंडल सहित लोक अदालत के जस्टिस नेत्रपाल और शिक्षाविद प्रोफ़ेसर देवेंद्र ने पारिवारिक हत्याओं की रोकथाम और पारिवारिक संरचना को सशक्त बनाने के लिए विवाह पूर्व परामर्श (प्री-मैरिज काउंसलिंग) को कानूनन अनिवार्य किए जाने का प्रस्ताव पेश किया है।

गुरुवार को मीडिया वार्ता के दौरान डॉक्टर बीपी अशोक ने प्री –मरीज काउंसलिंग कानून अनिवार्यता की पृष्ठभूमि प्रस्तुत करते हुए बताया कि भारत में आजकल पारिवारिक इकाइयों, विशेषतः पति–पत्नी के बीच, अपराधों की घटनाओं में चिंताजनक वृद्धि देखी जा रही है। ये घटनाएँ केवल आपराधिक नहीं, बल्कि भावनात्मक, मानसिक, और संवादहीनता की गहराई को दर्शाती हैं। इसके लिए उन्होंने कानूनी व्यवस्था तय किये जाने के लिए कहा है कि विवाह पूर्व परामर्श अनिवार्य किया जाना चाहिए। सभी विवाह पंजीकरण से पूर्व 2–3 सत्रों की प्रमाणित काउंसलिंग का प्रमाणपत्र अनिवार्य किया जाए। इसी क्रम में सरकारी स्तर पर परामर्श केंद्र स्थापित हों- प्रत्येक जिले में यह सुविधा सुलभ हो और इसे स्वास्थ्य या पारिवारिक कल्याण इकाइयों से जोड़ा जाए जिसके साथ –वित्तीय पारदर्शिता, लैंगिक संवेदनशीलता व साझी ज़िम्मेदारी,विवाह हेतु मानसिक तैयारी, वैवाहिक अधिकार व कर्तव्य जैसे बिंदुओं के तहत मानकीकृत व्यवस्था बनाये जाने की मांग की है।

वैवाहिक हिंसा की रोकथाम में कारगर बन सकती है नीति

राष्ट्रपति को भेजे पत्र में वैश्विक आंकड़े प्रस्तुत करते हुए बताया है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की रिपोर्ट के अनुसार, दुनियाभर में महिलाओं की हत्याओं में से 38त्न हत्याएँ उनके जीवनसाथियों द्वारा की जाती हैं। जर्मनी, अमेरिका, सिंगापुर जैसे देशों में विवाहपूर्व शिक्षा एवं परामर्श कार्यक्रम शुरू किए गए हैं, जिनके सकारात्मक परिणाम देखे गए हैं।

नेशनल हेल्दी मैरिज रिसोर्स सेंटर के सर्वे के अनुसार, जिन जोड़ों ने विवाहपूर्व काउंसलिंग ली, उनमें वैवाहिक संतोष 30त्न अधिक पाया गया और उनमें हिंसा या तलाक की संभावना कम रही।

समाजीकरण न होना सोसायटी में बना मुसीबत का सबब

जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के विभाध्यक्ष व् डीन, प्रोफ़ेसर डॉ विवेक कुमार का कहना है कि कानून अपनी जगह है, इसी के साथ समाज में बदलाव के लिए महिलाओं और पुरुषों के सामान रूप से समाजीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम भी उठाने होंगे, जिससे समाज में समाजीकरण के मूल्य स्थापित हों। भारतीय समाज में पितृसत्तात्मक विचार हावी रहे हैं जिसका असर ही समाज में वैवाहिक हिंसा के परिणाम हैं।

इसके लिए बोधात्मक व्यवहार परिवार से लेकर स्कूली स्तर पर प्रभावी ढंग से उतारना होगा। यह रुट स्तर पर कारगर है, कॉस्मेटिक चेंजेस ज्यादा कारगर नहीं होते हैं।

इटावा में शातिर लुटेरे की टांग में लगी पुलिस की गोली

» अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे ताबड़तोड़ अभियान में एक्शन जारी

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

इटावा। कानपुर जोन के तेजतर्रार एडीजी आलोक सिंह एवं कानपुर रेंज के डीआईजी के निर्देशन तथा कर्तव्यनिष्ठ एसएसपी बृजेश श्रीवास्तव के कुशल नेतृत्व में अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे ताबड़तोड़ अभियान के क्रम में गुरुवार शाम बसरेहर थाना क्षेत्र के अंतर्गत वसंगवा नगर पुल से राहिन नगर पुलिस के बीच रूरा सैफई नगर मार्ग पर चेकिंग के दौरान सफाई की तरफ से आ रहे एक मोटरसाइकिल पर सवार युवक दिखाई दिया,जिसे बसरेहर पुलिस ने रुकने का इशारा किया।तो उसने पुलिस को देखकर भागने का

प्रयास किया और जब पुलिस ने उसका पीछा किया तो उसने पुलिस पर फायरिंग कर दी।जवाब में पुलिस ने भी फायरिंग की,जिसमें अभिमन्यु उर्फ हनी उर्फ राजा पुत्र रविन्द्र सिंह यादव निवासी ग्राम नगरिया यादवान थाना भरथना की टांग में गोली लगने से घायल हो गए।घटना की जानकारी देते हुए बसरेहर थाना प्रभारी ने बताया कि मुठभेड के दौरान गिरफ्तार किए गए अभियुक्त के ऊपर लगभग तीन दर्जन से अधिक लुट,छिनती और चोरी जैसे कई गंभीर मामले दर्ज है और यह जनपद इटावा के भरथना थाना क्षेत्र का हिस्ट्री सीटर भी है।इसके पास से एक 315 बोर का तमंचा दो जिंदा कारतूस दो खाली खोखा और एक चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की गई है।घायल अभियुक्त को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है और आरोपी को जेल भेजने की कार्रवाई की जा रही है।

अहमदाबाद विमान हादसा

एआई विमान हादसे में गुजरात के पूर्व सीएम विजय रूपाणी की मौत

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी, जो अपने 'लकी नंबर' 1206 से जुड़े थे, 12 जून 2025 को विमान दुर्घटना में चल बसे। यह दुखद घटना तब हुई जब वह अपनी पत्नी और बेटी से मिलने लंदन जा रहे थे।

गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी के जीवन में एक नंबर था जो उनके लिए सिर्फएक अंक नहीं, बल्कि एक भरोसे का प्रतीक था। यह नंबर था '1206'। इस नंबर को वह अपने जीवन का सौभाग्य मानते थे। उनकी हर गाड़ी, चाहे स्कूटर हो या कार की नंबर प्लेट पर यही अंक होता था। दोस्तों और करीबियों का कहना है कि इस नंबर को वह अपने सौभाग्य के रूप में देखते थे। लेकिन 12/06/2025 की तारीख ने इस 'लकी नंबर' को एक त्रासदी में बदल दिया। इस तारीख को विजय रूपाणी एयर इंडिया की लंदन जा रही फ्लाइट एआई-171 में सवार थे, जो अहमदाबाद से उड़ान भरने के कुछ ही मिनटों में दुर्घटनाग्रस्त हो गई। वह अपनी पत्नी और बेटी से मिलने लंदन जा रहे थे, लेकिन अब वे कभी नहीं पहुंच पाएंगे।

आखिरी यात्रा, जो टलते-टलते हादसे का कारण बनी : पंजाब बीजेपी के अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने बताया कि रूपाणी ने यह यात्रा पहले 5 जून को करनी थी, लेकिन उन्होंने पंजाब के लुधियाना वेस्ट उपचुनाव (19 जून) के प्रचार के लिए उसे 12 जून तक टाल दिया था।

लू का कहर : 48 घंटे में 8 की मौत

लखनऊ में 2 कर्मचारी हीटस्ट्रोक से मरे

प्रशासन ने भीषण गर्मी को देखते हुए सावधानी बरतने का अलर्ट जारी किया

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में इन दिनों गर्मी ने फिर से अपना रौद्र रूप दिखाना शुरू कर दिया है। बीते कुछ दिनों से प्रदेश भीषण लू की चपेट में है। पिछले 48 घंटे में हीटस्ट्रोक से 8 लोगों की मौत हो चुकी है। प्रतापगढ़ में चकबंदी कानूनगो धूप में गिर पड़े और उनकी मौत हो गई। वहीं लखनऊ में स्मारक समिति के 2 कर्मचारी हीटस्ट्रोक से मर गए। धूप से बचाव के लिए फुल कपड़े पहनने, छाता और काला चश्मा इस्तेमाल करने जैसे सुझाव मौसम विभाग ने दिए है।

सावधानी बरतने का अलर्ट जारी : वहीं गर्मी को देखते हुए बीटीसी शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष अनिल यादव ने सीएम योगी से स्कूलों में गर्मी की छुट्टियों को आगे बढ़ाए जाने की मांग की है। प्रशासन ने भीषण गर्मी को देखते हुए सावधानी बरतने का अलर्ट जारी किया है। साथ ही सड़कों पर निकलने से बचने और अधिक पानी पीने के साथ-साथ धूप से सावधान रहने की बात कही है। बता दें कि गुरुवार को मौसम विभाग ने 9 जिलों में हीट वेव का अलर्ट जारी किया था।

24 घंटे में झांसी सबसे गर्म शहर रहा। वहीं प्रयागराज का अधिकतम तापमान 43 डिग्री, आगरा का तापमान 45 डिग्री, झांसी का 45 डिग्री, वाराणसी का 41डिग्री और राजधानी लखनऊ का अधिकतम तापमान 41डिग्री रहा। मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश के कई जिलों में दिन का तापमान सामान्य से 4 से 6 डिग्री ज्यादा चल रहा है, जबकि रात का तापमान भी औसत से 5 से 7 डिग्री अधिक है।

लू से दो की सेंट्रल स्टेशन पर मौत

कानपुर। गर्म हवा तापमान कम होने का नाम ही नहीं ले रही है। नौतपा से बचने का इंतजाम किया तो अब नौतपा के बाद गर्मी ने लोगों को बेहाल किया। कानपुर में गर्मी और गर्म हवाओं से होने वाली हिट वेट ने इंसानों ही नहीं, पक्षियों को भी अपनी चपेट में लिया है। इस गर्मी ने जानवरों और पक्षियों को भी नहीं छोड़ा। वहीं, उत्तर प्रदेश मौसम विभाग ने उत्तर प्रदेश के नौ जिलों में अलर्ट जारी किया। नौ जिलों में गर्मी ने कई लोगों की जान ले ली है, इंसान के साथ-साथ पक्षियों की भी सांसें थम गई हैं। कानपुर में 12 से अधिक पक्षियों की मौत हुई, जिन्हें मोतीझील के पास किनारे पड़ा देखा गया है। बताते चलें कि गुरुवार को कानपुर सेंट्रल के प्लेटफॉर्म एक पर दो अज्ञात व्यक्तियों की भी मौत हो गई। स्टेशन पर डॉक्टरों की टीम ने उन्हें मृत घोषित कर दिया है। जानकारी के अनुसार, गर्मी से होने वाले हिट वेट से मौत हो गई। जीआरपी प्रभारी ओम नारायण सिंह ने बताया कि एक व्यक्ति की आयु लगभग 60 वर्ष है, वहीं दूसरे व्यक्ति की आयु लगभग 35 से 40 वर्ष है। जीआरपी पुलिस द्वारा शव कब्जे में लेकर पोस्टमाटज़्म के लिए भेज दिया गया है, साथ ही उनकी पहचान कराई जा रही है।

लखनऊ सहित 9 जिले प्रचंड गर्मी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के कई जिलों में प्रचंड गर्मी ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है। बांदा, उरई, लखनऊ, कानपुर और हमीरपुर जैसे शहरों में तापमान 45 डिग्री तक पहुंच गया है। रातें भी गर्म बनी हुई हैं। मौसम विभाग ने हीट वेव को लेकर अलर्ट जारी किया है। कानपुर और हमीरपुर जैसे स्थानों पर रात में न्यूनतम तापमान 32.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो जून के औसत से लगभग 6 डिग्री अधिक है।

24 घंटे में बारिश की हल्की संभावना : मौसम विभाग की ताज़ा भविष्यवाणी के अनुसार अगले 24 घंटों में प्रदेश के कुछ हिस्सों में तेज हवाओं (30-40 किमी प्रति घंटा) के साथ आंधी-तूफान और हल्की बारिश की संभावना जताई गई है। कुछ क्षेत्रों में बिजली गिरने की घटनाएं भी हो सकती हैं। हालांकि यह बारिश बहुत सीमित होगी और इससे तापमान में स्थायी गिरावट की उम्मीद नहीं है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि यह मौसम परिवर्तन स्थानीय मौसमी परिस्थितियों का असर है, जो थोड़े समय के लिए राहत दे सकता है, लेकिन अगले सप्ताह तक भीषण गर्मी का दौर जारी रहने की संभावना है।

बीवी को बेटियों के सामने गोली से उड़ाया

बेटियों के शोर मचाने पर आसपास के लोग पहुंचे

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद के कुंदरकी नगर के मोहल्ला नूरुल्ला में बृहस्पतिवार सुबह करीब साढ़े चार बजे पति ने दो बेटियों के सामने ही पत्नी अंजुम (30) की सिर में गोली मारकर हत्या कर दी। घटना के समय महिला अपनी बेटियों के साथ छत पर सो रही थी। हत्यारोपी सीढ़ी लगाकर छत पर पहुंचे थे। महिला अपने पति से अलग रही रही थी और उसने देवर के खिलाफ केस दर्ज कराया था। पुलिस ने मृतका के पिता की तहरीर पर आरोपी पति व देवर समेत तीन के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

मूंढापांडे थाना क्षेत्र के लाला टीकर निवासी अली हसन ने बताया कि उन्होंने अपनी बेटी अंजुम का निकाह रामपुर जिले के केमरी निवासी शादाब के साथ किया था। शादाब से अंजुम के दो बेटियां हुईं। तीन साल पहले दंपती के बीच विवाद होने के कारण तलाक हो गया था। दो साल पहले अंजुम ने कुंदरकी के नूरुल्ला निवासी हफीज के साथ निकाह कर लिया था, लेकिन कुछ दिन बाद ही दोनों के बीच मनमुटाव रहने लगा।

अंजुम के साथ हाफिज के भाई खालिद ने मारपीट की थी। इस मामले में अंजुम ने केस दर्ज करा दिया था। इसके बाद अंजुम हफीज को छोड़कर अपनी दो बेटियों के साथ कुंदरकी में राजकीय कन्या इंटर कॉलेज के

पास एक मकान में रहने लगी थी। बुधवार रात अंजुम अपनी दोनों बेटियों इंशा (7) और माही (5) के साथ छत पर सोई थी।

आरोप है कि बृहस्पतिवार सुबह करीब साढ़े चार बजे हाफिज, अपने भाई खालिद और दोस्त फैसल के साथ मकान की पिछली दीवार पर सीढ़ी लगाकर छत पर पहुंच गया। मच्छरदानी में सो रही अंजुम के साथ मारपीट शुरू कर दी। महिला के चीखने पर उसकी बेटियां भी जाग गईं। आरोपी खालिद, फैसल ने अंजुम को पकड़ लिया और हाफिज ने सिर के ऊपर तमंचा सटाकर गोली मार दी, जिससे महिला की मौके पर ही मौत हो गई।बेटियों के शोर मचाने पर लोग जाग गए। कुंदरकी में रहने वाली अंजुम की बहन शमीम भी मौके पर पहुंच गई और पुलिस को सूचना दी।

आंत में फंसी मिली गोली

पुलिस ने अंजुम के शव का पोस्टमार्टम कराया। जांच से पता चला कि महिला के सिर के ऊपर तमंचा सटाकर गोली मारी गई थी। 315 बोर की गोली आंत में फंसी मिली है। पोस्टमार्टम की डिजिटल वीडियोग्राफी और फोटोग्रापी भी कराई गई। पुलिस ने मकान की छत से एक तमंचा, चाकू, चप्पल और मोबाइल बरामद किया। यह मोबाइल मृतका अंजुम का बताया गया है। चप्पल हत्यारोपी के बताए जा रहे हैं। पुलिस टीम ने घटना स्थल की छानबीन की।

तीन दिन पहले दी थी धमकी

अंजुम का पहले पति से तलाक हुआ तो हफीज ने नजदीकियां बढ़ा ली थीं। इसके बाद दोनों ने निकाह कर लिया लेकिन कुछ दिन बाद ही दोनों के बीच विवाद शुरू हो गया। हफीज महिला के चरित्र पर शक करने लगा। मामला कर चौकी थाने तक पहुंच गया। अंजुम के पिता ने बताया कि हफीज ने तीन दिन पहले अंजुम का कत्ल कराने की धमकी दी थी। महिला इस मामले की शिकायत थाने में करने की तैयारी कर रही थी लेकिन उसे पहले ही उसे मौत के घाट उतार दिया गया।

इजरायल का ईरान पर हमला

परमाणु लक्ष्यों बने निशाना

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो/एजेंसी

नई दिल्ली। इजरायल ने शुक्रवार, 13 जून की सुबह कहा कि उसने ईरान पर हमला किया है, और ईरानी मीडिया ने कहा कि ईरान की राजधानी तेहरान में विस्फोटों की आवाज सुनी गई। इजरायल ने अब ईरान पर हमला करना शुरू कर दिया है। इजरायल ने शुक्रवार, 13 जून की सुबह कहा कि उसने ईरान पर हमला किया है, और ईरानी मीडिया ने कहा कि ईरान की राजधानी तेहरान में विस्फोटों की आवाज सुनी गई। इजरायल की तरफसे ईरान पर हमला उस समय शुरू हुआ है जब ईरान और अमेरिका के बीच एक नए न्यूक्लियर डील पर पहुंचने के अब तक के प्रयास नाकाम साबित हुए हैं और पूरे मिडिल ईस्ट में तनाव बढ़ा हुआ है।

इजरायल को अब यह भी आशंका है कि उसके हमले के बाद तेहरान उसपर मिसाइल और ड्रोन हमला कर सकता है, इसी आशंका में इजरायल आपातकाल की घोषणा कर दी है। उसने अपने एयर स्पेस को भी पूरी तरह बंद कर दिया है. हालांकि इजरायल के हमले के बाद अमेरिका ने पूरी तरह से पल्ला झाड़ते हुए ईरान को मैसेज दे दिया है कि यह इजरायल की एकतरफा कार्रवाई थी, इसमें अमेरिका का कोई हाथ नहीं। एक इजरायली सैन्य अधिकारी ने कहा कि इजरायल दर्जनों परमाणु और सैन्य लक्ष्यों पर हमला कर रहा है। अधिकारी ने कहा कि ईरान के पास कुछ ही दिनों में 15 परमाणु बम बनाने के लिए पर्याप्त सामग्री है। रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने एक बयान में कहा, ईरान के खिलाफ इजरायल राज्य द्वारा पूर्वव्यापी हमले के बाद, तत्काल समय सीमा में इजराइल देश और इसकी नागरिक आबादी के खिलाफएक मिसाइल और यूएवी (ड्रोन) हमले की उम्मीद है।